दिग्विजय रत्नों ने बढ़ाया दिग्विजय महाविद्यालय का गौरव

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एस अहमद शकील व आईक्यूएसी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्युमिनी समिट का आयोजन किया गया। चाहेंद्र दिग्विजय-औद्योगिक एवं भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत भूतपूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के विकास के लिए अनुदान दिया। जिससे महाविद्यालय की अधोसंरचना को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा साथ ही रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाने की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु, बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल रायपुर) ने 11 लाख प्रदान करने की घोषणा की। जनभागीदारी अध्यक्ष एस अहमद शकील ने जिसे बढ़कर बहादुर अली के सम्मान 13 लाख 90 हजार रु. करने का आग्रह किया है। सुनील अग्रवाल एम.डी. धर्मकांटा ग्रुप ने 5 लाख मालिक राम सोनी ने रु.1 लाख अनुदान की

औद्योगिक मीट से प्राप्त हुआ लाखों का अनुदान

घोषणा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष एस अहमद शकील के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने अपना हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय को इतनी बड़ी पद औद्योगिक क्षेत्र के भूत पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त हुई है। जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों के बेहतर ढंग से विकसित करने में किया जायेगा। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री एस अहमद शकील जी जो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके संयुक्त प्रयासों से महाविद्यालय को औद्योगिक क्षेत्रों से इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सकी है।

श्री शकील ने बताया की काफी लंबे समय से इस कार्य योजना प्राचार्य एवं जनभागीदारी समिति कार्य कर रही थी, महाविद्यालयों की आवश्यकताओं का विश्लेषण कर अंततः हमने भूतपूर्व विद्यार्थी व औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय को करीब 36 लाख राशि प्राप्त हुई। उक्त सम्मेलन में जनभागीदारी समिति से इब्राहिम (मुन्ना भाई), मो. हसन, जगन्नाथ सिंह, शरद खंडेलवाल, मनीष गौतम, शैलेश रामटेके, मदन बहादुर सिंह, हितेश गोभाड़े, अमित चंद्रवंशी, झम्मन देवांगन, आकाश सोनी, विनु अजमानी, शुभम कसार, इनोश खान, सुश्री अंशुका बोरकर, सुश्री पुष्पा साव का भी विशेष योगदान रहा।

आज वीर शहीद हेमू कालाणी शहादत दिवस

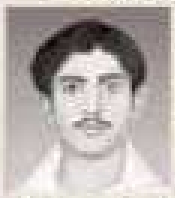

राजनांदगांव (दावा)। हिंद के वीर शहीद हेमू कालाणी की शहादत दिवस आज पूरे देश में मनाई जाएगी। पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा आज वीर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा के समक्ष हेमू कालाणी चौक पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा।

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मंजूमल मोटलानी ने बताया कि 19 वर्ष की आयु में वीर शहीद हेमू कालाणी ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया था। आज पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा और शाम 6 बजे मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया जाएगा। पूज्य पंचायत के वरिष्ठ सलाहकार आसनदास तेजवानी, अर्जुनदास पंजवानी, घनश्यामदास गंगवानी ने सभी देशभक्त लोगों से उक्त अवसर पर उपस्थिति का आव्हान किया है।

न्यूज डायरी

आईबी ग्रुप के एमडी अली ने दिग्विजय कॉलेज को दिये 14 लाख

राजनांदगांव. शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रईस अहमद शकील तथा प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के पहल पर आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु प्रदान किया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है. जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रईस अहमद शकील जो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके प्रयास से महाविद्यालय को इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में पहली बार महाविद्यालय को इतनी बड़ी राशि प्राप्त हुई है. जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों के बेहतर ढंग से विकसित करने में किया जाएगा.

दिग्विजय रत्नों ने बढ़ाया दिग्विजय महाविद्यालय का गौरव

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एंस अहमद शकील व आईक्यूएसी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्युमिनी समिट का आयोजन किया गया। चाहेंद्र दिग्विजय-औद्योगिक एवं भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत भूतपूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के विकास के लिए अनुदान दिया। जिससे महाविद्यालय की अधोसंरचना को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा साथ ही रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाने की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु, बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल रायपुर) ने 11 लाख प्रदान करने की घोषणा की। जनभागीदारी अध्यक्ष एंस अहमद शकील ने जिसे बढ़कर बहादुर अली के सम्मान 13 लाख 90 हजार रु. करने का आग्रह किया है। सुनील अग्रवाल एम.डी. धर्मकेयर ग्रुप ने 5 लाख मालिक राम मोदी ने रु.1 लाख अनुदान की घोषणा की।

औद्योगिक मीट से प्राप्त हुआ लाखों का अनुदान

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष एंस अहमद शकील के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने अपना हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय को इतनी बड़ी फंड औद्योगिक क्षेत्र के भूत पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त हुई है। जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों के बेहतर ढंग से विकसित करने में किया जाएगा। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री एंस अहमद शकील जी जो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके संयुक्त प्रयासों से महाविद्यालय को औद्योगिक क्षेत्रों से इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सकी है।

श्री शकील ने बताया की काफी लंबे समय से इस कार्य योजना प्राचार्य एवं जनभागीदारी समिति कार्य कर रही थी, महाविद्यालयों की आवश्यकताओं का विश्लेषण कर अंततः हमने भूतपूर्व विद्यार्थी व औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय को करीब 36 लाख राशि प्राप्त हुई। उक्त सम्मेलन में जनभागीदारी समिति से इब्राहिम (मुन्ना भाई), मो. हसन, जयनारायण सिंह, शरद खंडेलवाल, मनीष गौतम, शैलेश रामटेके, महेंद्र बहादुर सिंह, हितेश गोनाडे, अमित चंद्रवंशी, प्रमन देवांगन, आकाश सोनी, चिंटू अजमानी, शुभम कश्यप, इमोब खान, सुश्री अंकृता कोठेकर, सुश्री पुष्पा मावस्कर का भी विशेष योगदान रहा।

आज वीर शहीद हेमू कालाणी शहादत दिवस

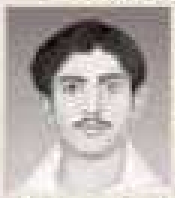

राजनांदगांव (दावा)। सिंध के वीर शहीद हेमू कालानी की शहादत दिवस आज पूरे देश में मनाई जाएगी। पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा आज वीर शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा के समक्ष हेमू कालानी चौक पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा।

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मधुमल मोटलानी ने बताया कि 19 वर्ष की आयु में वीर शहीद हेमू कालानी ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया था। आज पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा और शाम 6 बजे मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया जाएगा। पूज्य पंचायत के वरिष्ठ सलाहकार आसनदास तेजवानी, अर्जुनदास पंजवानी, घनश्यामदास गंगवानी ने सभी देशभक्त लोगों से उक्त अवसर पर उपस्थिति का आव्हान किया है।

आवास 98274 33330

दिग्विजय की बेहतरी के लिए आगे आए उद्योगपति

पहली बार वाइब्रेंट सम्मेलन, मिले 11 लाख रूपये

राजनांदगांव। शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ''दिग्विजय वाइब्रेंट – औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट'' रहा। जिसका 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी, प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं, उन्हें महाविद्यालय की अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था।

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव), दामोदर दास मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), संजय चौबे (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), संतोष जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हैं हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है परंतु संसाधन सीमित है। संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां है, जिसे दूर किया जाना चाहिए। श्री भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की।

भारी छूट-शादी पैकेज
इलेक्ट्रानिक्स एवं फर्नीचर रेंज
गीजर एवं रूम हीटर्स
बागड़ी ब्रदर्स
रामाधीन मार्ग

अन्य उद्योगपतियों ने भी महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू का आयोजन कराना सुनिश्चित किया। श्री मूंदड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र में कौशल युक्त कामगरो कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा।

फंड से भी ग्रेडिंग पाइंट मिलते है

एनएएसी संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व है विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी एनएएसी की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं, साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनल मिश्रा एवं डॉ. माजिद अली ने किया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को ''दिग्विजय रत्न ''से सम्मानित किया गया। अन्य उद्योगपतियों को ''दिग्विजय गौरव'' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील को ''दिग्विजय '' सम्मान दिया गया।

बैगा-गुनिया समान, जड़ी-बुटी एवं शुद्ध घी से निर्मित सोठ लड्डू यहां मिलता है।
रतन दुकान
गोल बाजार, राजनांदगांव
79748-84259
व्हाट्सएप्प 9301745540

ट्रैक्टर को मारी ठोकर, दुर्घटना में दो घायल

...तर्गत ग्राम बिजापुर मार्ग में हाईवा के खड़ी ट्रैक्टर को ठोकर मारने से 2 लोग घायल हो गए. हाइवा ...रगढ़ की ओर आ रही थी.प्राप्त जानकारी के अनुसार,हाईवा CG08 AN 2876 ने बिजापुर मार्ग पर ...जबरदस्त ठोकर मार दी. गिट्टी से भरी हाईवा घटनास्थल पर ही पलट गई.ट्रैक्टर में सवार टिकेश्वर ...ो चोट आई है.112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ भेजा गया जहां उपचार जारी है.

दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख रुपए

नवभारत रिपोर्टर । राजनांदगांव।

शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 दिसम्बर को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ''दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट'' रहा. 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है. उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था.

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव, दामोदर दास मूंदड़ा एम.डी. कमल सॉल्वेंट),सूर्यकांत गुप्ता एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट, कैलाश सोनी एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड, सुनील अग्रवाल एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप, अनिल बरडिया प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, संजय चौबे प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, शरद अग्रवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज , सूरज खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव, संजय जैन सावा अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स, विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया.

...ज वेदिका खेलेंगी राष्ट्रीय स्पर्धा

समय में एक अच्छे तीरंदाजी खिलाड़ी के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है जिसे देखते हुए भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद है.

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
सफ़ेद दाग

दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख

वाइब्रेंट दिग्विजय सम्मेलन में शामिल हुए शहर के बड़े-बड़े उद्योगपति

राजनांदगांव (दावा)। शा. स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गत 24 दिसंबर को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'दिग्विजय वाइब्रेंट-औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट' रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया, दामोदरदास मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेझ प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी. रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), संजय जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, परंतु संसाधन सीमित है, संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां है, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

बलदेव सिंह भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया। दामोदरदास मूंदड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र मे कौशल युक्त कामगरों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनल मिश्रा एवं डॉ माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को 'दिग्विजय रत्न' से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को 'दिग्विजय गौरव' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील जी को 'दिग्विजय श्री' सम्मान दिया गया।उक्त कार्यक्रम में आईक्यूएसी समिति के सदस्य डॉ. डीके वर्मा, गुरप्रीत सिंह भाटिया, चिरंजीव पाण्डेय, रागिनी पराते समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

नवभारत 27-12-22

दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख रुपए

नवभारत रिपोर्टर । राजनांदगांव।

शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 दिसम्बर को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ''दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट'' रहा. 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है. उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था.

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव, दामोदर दास मूंदड़ा एम.डी. कमल सॉल्वेंट),सूर्यकांत गुप्ता एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट, कैलाश सोनी एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड, सुनील अग्रवाल एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप, अनिल बरडिया प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, संजय चौबे प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, शरद अग्रवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज , सूरज खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव, संजय जैन सावा अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स, विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया.

दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख

वाइब्रेंट दिग्विजय सम्मेलन में शामिल हुए शहर के बड़े-बड़े उद्योगपति

राजनांदगांव (दावा)। शा. स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गत 24 दिसबर को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'दिग्विजय वाइब्रेंट-औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट' रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया, दामोदरदास मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेझ प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी. रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), संजय जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील मंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, परंतु संसाधन सीमित है, संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां है, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

बलदेव सिंह भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया। दामोदरदास मूंदड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र मे कौशल युक्त कामगारों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनल मिश्रा एवं डॉ माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को 'दिग्विजय रत्न' से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को 'दिग्विजय गौरव' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील जी को 'दिग्विजय श्री' सम्मान दिया गया।उक्त कार्यक्रम में आईक्यूएसी समिति के सदस्य डॉ. डीके वर्मा, गुरप्रीत सिंह भाटिया, चिरंजीव पाण्डेय, रागिनी पराते समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

दावा

27-12-22